

# जैन समाज ने सीएसजेएमयू के कुलपति को किया सम्मानित

**कानपुर ।** छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक को शिक्षा जगत में उनके विशिष्ट योगदान के लिए जैन समाज ने विशेष सम्मान प्रदान किया ।

प्रो पाठक को यह सम्मान श्री दिगंबर जैन श्रमण संस्कृति संस्थान, सांगानेर ( जयपुर ) की ओर से अशोकनगर ( मध्यप्रदेश ) में आयोजित समारोह में प्रदान किया । सम्मान स्वरूप उन्हें “तीर्थ चक्रवर्ती निर्यापक श्रमण मुनिपुंगव श्री सुधासागर पुरस्कार” से अलंकृत किया गया । यह समारोह पूज्य मुनिपुंगव सुधासागर जी महाराज के ससंघ सान्निध्य में संपन्न हुआ, जिसमें देशभर के शिक्षाविद्, संतगण और जैन समाज के प्रतिनिधि उपस्थित रहे । प्रो. पाठक के नेतृत्व में सीएसजेएमयू ने राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। विश्वविद्यालय को नैक द्वारा A++ ग्रेड और NIRF रैंकिंग प्राप्त हुई है, जो उनकी दूरदर्शिता और नवाचारशील नेतृत्व का प्रमाण है। विश्वविद्यालय



**प्रो.विनय कुमार पाठक को सम्मानित करते जैन समाज के लोग ।**

में आचार्य विद्यासागर सुधासागर जैन शोध पीठ की स्थापना की गई, जो जैन दर्शन और प्राकृत भाषा के संरक्षण एवं शोध में उल्लेखनीय कार्य कर रही है। यह शोध पीठ जैन समाज की आध्यात्मिक विरासत को शैक्षणिक मंच प्रदान करने की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है।

साथ ही पूर्व में कोटा मुक्त विश्वविद्यालय

( राजस्थान ) में कुलपति रहते हुए भी प्रो. पाठक ने शिक्षा के क्षेत्र में नवाचार और गुणवत्ता को प्राथमिकता दी थी। जैन समाज द्वारा यह सम्मान न केवल उनके शैक्षिक योगदान की सराहना है, बल्कि यह दर्शाता है कि भारतीय परंपरा, दर्शन और भाषा के संवर्धन में उनकी भूमिका कितनी महत्वपूर्ण रही है।

# शिक्षक व छात्रों ने वृद्धाश्रम में बांटे फल व बिस्कुट

**कानपुर।** राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा एवं विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में सेवा पखवाड़ा के अंतर्गत विश्वविद्यालय के शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा दामोदर नगर स्थित वृद्धाश्रम में लगभग 130 वृद्ध जन को फल ,बिस्कुट एवं नमकीन का वितरण किया गया ।

इस अवसर पर कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर डॉ विवेक सिंह सचान ने बताया कि छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय में 17 सितंबर से लेकर 2 अक्टूबर 2025 तक सेवा पखवाड़ा के रूप में मनाया जा रहा है । जिसमे लोगों की सेवा की जा रही हैं । वही इसी कार्यक्रम के तहत आज शिक्षकों एवं छात्रों द्वारा दामोदर नगर स्थित वृद्धाश्रम में फल, बिस्किट एवं नमकीन का वितरण किया गया और उनसे बातचीत कर उनके साथ समय भी



**वृद्धाश्रम में पैकेट बांटते डॉ. विवेक सचान ।**

व्यतीत किया गया । ,डॉक्टर मयंक जिंदल, प्रांजल द्विवेदी एवं वहीं इस अवसर पर डॉक्टर प्रशांत त्रिवेदी पारस आदि शिक्षक एवं छात्र उपस्थित रहे।

## **व्याख्यान** मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं मीडिया विशेषज्ञ डॉ. धनंजय चोपड़ा ने छात्रों को फोटो पत्रकारिता के बारे में दी अहम जानकारी

# पत्रकारिता विभाग में फोटो जर्नलिज्म के विविध आयामों पर संवाद

**कानपुर ।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के पत्रकारिता विभाग में फोटो जर्नलिज्म के विविध आयामों पर एक दिवसीय विशेष व्याख्यान आयोजित किया गया।

इस शैक्षणिक कार्यक्रम के मुख्य वक्ता इलाहाबाद विश्वविद्यालय के वरिष्ठ प्रोफेसर एवं मीडिया विशेषज्ञ डॉ. धनंजय चोपड़ा ने छात्रों को फोटो पत्रकारिता की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि, वर्तमान स्वरूप और भावी संभावनाओं पर विस्तार से मार्गदर्शन प्रदान किया। डॉ. चोपड़ा ने अपने व्याख्यान में बताया कि फोटो जर्नलिज्म केवल आधुनिक तकनीक का परिणाम नहीं, बल्कि इसकी



जड़ें आदि मानव द्वारा दीवारों पर खींची गई चित्रात्मक अभिव्यक्तियों तक जाती हैं। उन्होंने

कहा कि एक प्रभावशाली तस्वीर केवल दृश्य नहीं, बल्कि एक संपूर्ण कथा होती है, जिसे समझने और

# छात्रों ने कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के बच्चों को दी जानकारी

**कानपुर ।** छत्रपति शाहूजी महाराज विश्वविद्यालय द्वारा सेवा पखवाड़ा कार्यक्रम तथा मिशन शक्ति फेज पांच के अंतर्गत कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय अमरोहा पुखराया में विद्यार्थियों को भ्रमण के लिए ले जाया गया। भ्रमण का उद्देश्य विद्यार्थियों में कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में पढ़ने वाले विद्यार्थियों से बातचीत करते हुए उन्हें सहज एवं सरल तरीके से शैक्षिक, पर्यावरणीय, सामाजिक तथा स्वास्थ्य संबंधी जानकारी को प्रदान करना था।

कार्यक्रम की समन्वयक डॉ रश्मि गोरे ने कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय की प्रधानाचार्य का स्वागत करते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश की राज्यपाल तथा विश्वविद्यालय की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के आशीर्वाद एवं छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन एवं उत्कृष्ट नेतृत्व में विश्वविद्यालय द्वारा यह भ्रमण आयोजित किया गया है । इससे न केवल विद्यालय के विद्यार्थियों को लाभ होगा बल्कि विश्वविद्यालय के

छात्रों में भी सेवा भावना का संचार होगा। सह-समन्वयक अनुपमा यादव एवं डॉक्टर कुलदीप सिंह ने छात्राओं का उत्साहवर्धन भी किया ।

विश्वविद्यालय के छात्रों द्वारा कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय के छात्राओं के लिए विभिन्न प्रकार की जागरूकता गतिविधियां आयोजित की, जिसमें स्वास्थ्य एवं सुरक्षा, व्यक्तिगत स्वच्छता, पर्यावरणीय जागरूकता, वृक्षारोपण, क्राफ्ट, योग इत्यादि प्रमुख थी। स्कूल के बच्चों ने जागरूकता के बारे में जाना और आस पास साफ -सफाई रखने का भी संकल्प लिया। इस कार्यक्रम में विद्यालय की छात्राओं ने इसमें बढ़ चढ़ कर प्रतिभाग किया।

शोध छात्र सुशील, महिमा तथा पारुल ने भी पौधरोपण एवं सभी गतिविधियों में प्रतिभाग किया शिक्षा विभाग के बीएड के छात्रों ने काफी संख्या में शिक्षण अधिगम सामग्री (टीएलएम) विद्यालय के शिक्षकों को शिक्षण कार्य हेतु प्रदान की। अंत में विद्यालय की प्रधानाचार्य ने विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर विनय कुमार पाठक का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

# राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर विविध कार्यक्रम

**कानपुर ।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। यह आयोजन कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल की प्रेरणा तथा कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के मार्गदर्शन में सम्पन्न हुआ। उनकी गरिमायुी उपस्थिति एवं प्रेरक उद्बोधन ने विद्यार्थियों व शिक्षकों को अनुवाद की भूमिका और बहुभाषिक संवाद की महत्ता को गहराई से समझने का अवसर प्रदान किया।

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभागों में भाषण प्रतियोगिता, संगोष्ठियाँ, पोस्टर एवं स्लोगन लेखन, निबंध लेखन तथा कविता-पाठ जैसे कार्यक्रम आयोजित किए गए। इन गतिविधियों में विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अनुवाद को ज्ञान,

- राष्ट्रीय अनुवाद दिवस के अवसर पर विविध साहित्यिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का किया गया आयोजन**
- कैंपस के विभिन्न विभागों में भाषण प्रतियोगिता, पोस्टर एवं स्लोगन प्रतियोगिता में छात्रों ने लिया भाग**

संस्कृति और विचारों के सेतु के रूप में प्रस्तुत किया। कार्यक्रमों का उद्देश्य विद्यार्थियों को यह समझाना था कि अनुवाद केवल भाषाई रूपांतरण नहीं, बल्कि सामाजिक और शैक्षणिक समरसता का माध्यम है। सभी विभागों में इस अवसर पर कार्यक्रम आयोजित हुए जिसका समन्वय पुस्तकालयाध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

उत्साहपूर्वक प्रश्न पूछे और संवाद में भाग लिया। डॉ. चोपड़ा ने विद्यार्थियों को 21वीं सदी की चुनौतियों के प्रति सजग रहते हुए नवाचार और दृष्टिकोण की तैयारी पर बल दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता विभागाध्यक्ष डॉ. विशाल शर्मा ने की। उन्होंने डॉ धनंजय चोपड़ा का स्वागत करते हुए फोटो पत्रकारिता के ऐतिहासिक स्वरूप के बारे में सभी छात्रों को जानकारी प्रदान की। इस मौके पर डॉ. योगेंद्र पांडेय, डॉ जीतेंद्र डबराल, डॉ. रश्मि गौतम, डॉ. हरिओम कुमार, सागर कनौजिया उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन डॉ. ओम शंकर गुप्ता द्वारा किया गया।



# हिंदी के महत्व को लेकर भाषा उत्सव का आयोजन

## हिंदी दिवस

स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस के हिंदी विभाग ने हिंदी दिवस पखवाड़ा के उपलक्ष्य में भाषा उत्सव का किया आयोजन हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्री प्रकाश ने स्व-रचित कविताओं के माध्यम से हिंदी का महत्व बताया

**कानपुर ।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो.विनय कुमार पाठक के दूरदर्शी मार्गदर्शन एवं निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी के नेतृत्व में स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस के हिंदी विभाग में हिंदी दिवस पखवाड़ा के उपलक्ष्य में 'भाषा उत्सव' का आयोजन किया । इस कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने की ।

इस कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी के हिंदी विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं भारतीय हिन्दी परिषद, प्रयागराज के सदस्य डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव तथा मुख्य अतिथि के रूप में दिल्ली विश्वविद्यालय के ए.आर.एस. डी. कॉलेज से प्रो. संजय सिंह बघेल और उनकी पत्नी प्रो. उमा सिंह, कुलाधिपति, सेंट्रल यूनिवर्सिटी ऑफ केरला भी उपस्थित रहीं । कार्यक्रम का प्रारंभ दीप प्रज्वलन के साथ हुआ । इसके पश्चात निदेशक डॉ. सर्वेश मणि त्रिपाठी ने स्वागत भाषण में समस्त अतिथियों का आभार व्यक्त किया । हिन्दी विभाग के अध्यक्ष डॉ. श्री प्रकाश ने स्व-रचित कविताओं के माध्यम से हिंदी का महत्व स्थापित किया । विशिष्ट अतिथि डॉ. अंजनी कुमार श्रीवास्तव ने हिंदी को संपर्क भाषा के



**कवि सुरेश अवस्थी का सम्मान करतीं हुई आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ।**

रूप में अजेय बताया । प्रो. संजय सिंह बघेल ने बताया कि हिन्दी किस प्रकार रोजगारपरक है । प्रति कुलपति ने अपने जाने माने रोचक अंदाज़ में हिंदी व कानपुर की हिन्दी का महत्व उजागर किया साथ ही इस बात पर भी जोर दिया कि हिन्दी को किसी कुंठा की आवश्यकता नहीं है, वह सर्वशक्ति संपन्न है । प्रथम सत्र का समापन डॉ. सुमित कुमार चौधरी ने धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया ।

द्वितीय सत्र का प्रारंभ कार्यक्रम अध्यक्ष आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक जी के साथ समस्त आमंत्रित कवियों के औपचारिक सम्मान के साथ

हुआ । डॉ. वंदना पाठक जी ने समस्त कवियों का स्वागत करते हुए हिन्दी के महत्व को प्रकाशित किया । आमंत्रित विशिष्ट कवियों में डॉ. सुरेश अवस्थी, अंसार कम्बरी, पंकज प्रसून, रामायण धर द्विवेदी, डॉ. रुचि चतुर्वेदी, डॉ. विमल सेन सिंह, राघव शुक्ल प्रतीक चौहान, विकास 'बौखल' तथा अजय शुक्ला 'अंजाम' सम्मिलित रहे । कवि सम्मेलन का शुभारंभ डॉ. रुचि चतुर्वेदी ने अपने मनमोहक गीतों से किया । पंकज प्रसून ने अपनी हास्य- व्यंग्य कविताओं में कहा कि हिन्दी न सिर्फ़ इंसानों की बल्कि जानवरों की भी भाषा है । समस्त

कवियों ने श्रोताओं को आसानबद्ध कर दिया । मंच का संचालन हिन्दी विभाग के छात्रों इंद्रु सिंह, मोहिनीश त्रिपाठी, अस्मिता यादव और हर्षिता शुक्ला ने किया तथा मीडिया रिपोर्ट किरन लक्ष्मी गुप्ता व अंकिता मिश्रा ने बनाई । इस कार्यक्रम में हिंदी भाषा गौरव सम्मान समारोह के अंतर्गत कानपुर की प्रतिष्ठित साहित्यिक विभूतियों तथा नगर के प्रमुख इंटर कॉलेज व डिग्री कॉलेज के प्रिन्सिपल के साथ हिन्दी शिक्षक को हिन्दी भाषा गौरव सम्मान से सम्मानित किया गया । साथ ही उन छात्रों को सम्मानित किया गया जिन्होंने हिन्दी दिवस

पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर विशिष्ट स्थान प्राप्त किया । स्कूल ऑफ लैंग्वेजेस के समस्त शिक्षकों व छात्रों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया । समस्त शिक्षक सहायक निदेशक डॉ. अंकित त्रिवेदी, डॉ. प्रभात गौरव मिश्रा, डॉ. सोनाली मोर्या, डॉ. लक्ष्मण कुमार, डॉ. सुमना विश्वास, पूजा अग्रवाल, डॉ. रिचा शुक्ला, डॉ. शालिनी शुक्ला, डॉ. दीक्षा शुक्ला, डॉ. श्री प्रकाश शुक्ला, डॉ. अंजनी कुमार उपाध्याय, डॉ. अभिजीत साहा, डॉ. सुमित कुमार चौधरी आदि शिक्षक उपस्थित रहे ।

## खेल प्रतियोगिताओं में कैम्पस के छात्रों ने दिखाया दमखम

**कानपुर ।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन सेवा पखवाड़ा के उपलक्ष्य में शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा विश्वविद्यालय के विभिन्न स्कूलों के शिक्षकों और छात्रों के बीच तीन खेलों - वॉलीबॉल, रस्साकशी और बैडमिंटन - का एक भव्य टूर्नामेंट आयोजित किया गया ।

इस टूर्नामेंट में छात्रों और शिक्षकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया । बैडमिंटन में शानदार प्रदर्शन बैडमिंटन प्रतियोगिता में पुरुष एकल वर्ग में शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्र ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की । वहीं, महिला युगल और पुरुष युगल वर्ग में यूआईईटी विभाग के छात्रों ने अपनी उत्कृष्ट खेल

कौशल के दम पर जीत हासिल की । रस्साकशी में शारीरिक शिक्षा विभाग का दबदबार रस्साकशी प्रतियोगिता में शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्रों ने पुरुष और महिला दोनों वर्गों में अपनी ताकत और समन्वय का शानदार प्रदर्शन किया । दोनों वर्गों में शारीरिक शिक्षा विभाग के छात्रों ने जीत का परचम लहराया । **वॉलीबॉल में शिक्षकों की जीत** वॉलीबॉल प्रतियोगिता में शारीरिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए विजय प्राप्त की । उनकी रणनीति और समन्वय ने सभी को प्रभावित किया । इस आयोजन में शारीरिक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. श्रवण कुमार यादव, खेल सचिव सुश्री निमिषा सिंह कुशवाह और समस्त शिक्षक उपस्थित रहे ।

## पुलिस प्रशिक्षण रत अधिकारियों के लिए द्रोणाचार्य सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन

**कानपुर ।** कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक के कुशल नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में तथा पुलिस आयुक्त एवं पुलिस उपायुक्त के सहयोग से द्रोणाचार्य सेंटर फॉर ऑनलाइन एंड डिस्टेंस एजुकेशन, सीएसजेएमयू द्वारा ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग एवं ऑनलाइन प्रोग्राम्स के प्रति जागरूकता विषय पर एक विशेष ओरिएंटेशन कार्यक्रम का आयोजन ट्रेफिक पुलिस लाइन में किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारंभ उप पुलिस आयुक्त कासिम अब्बिदी एवं डॉ. सरोज कुमार द्विवेदी, निदेशक, डी-कोड, सीएसजेएमयू ने संयुक्त रूप से किया । काशिम अब्बिदी ने कहा कि शिक्षा और प्रशिक्षण पुलिस बल के पेशेवर कौशल को सशक्त बनाते हैं



और इस प्रकार के कार्यक्रम अधिकारियों के लिए नई संभावनाएँ खोलते हैं । डॉ. सरोज कुमार द्विवेदी ने विश्वविद्यालय द्वारा संचालित ओपन एंड डिस्टेंस लर्निंग (ODL) एवं ऑनलाइन (OL) पाठ्यक्रमों की महता पर प्रकाश डालते हुए कहा

कि यह कार्यक्रम पुलिस प्रशिक्षण रत अधिकारियों के लिए उच्च शिक्षा एवं सतत अधिगम का मार्ग प्रशस्त करेगा । इसके उपरांत डॉ. विमल सिंह, उपनिदेशक, डी-कोड, सीएसजेएमयू ने विस्तृत चर्चा एवं संवाद सत्र का संचालन किया ।

## रक्तदान शिविर में विवि के शिक्षकों व छात्रों ने 71 यूनिट रक्त किया दान

**कानपुर ।** छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में सेवा पखवाड़ा के अन्तर्गत स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस एवं प्रो. डा. संजय काला प्रधानाचार्य जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज एवं डा. लुबना खान विभागाध्यक्ष, डिपार्टमेंट ऑफ पैथोलॉजी, जी.एस.वी.एम. मेडिकल कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में विश्वविद्यालय के स्वास्थ्य केन्द्र में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया ।

कार्यक्रम का शुभारम्भ विश्वविद्यालय के प्रति कुलपति प्रो० सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा, हेल्थ साइंसेस निदेशक डा०



मुनीश रस्तोगी, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल साइंसेस की निदेशक डा० शशि किरन मिश्रा, डा० अजय यादव, एसो० डीन एडमिन डा० दिग्विजय

शर्मा, ने फीता काटकर किया । इस अवसर पर प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी, कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने रक्तदाताओं को फल, प्रशस्ति

पत्र पोषक आहार, जूस आदि देकर सम्मानित और उत्साहित किया । उन्होंने कहा स्कूल आफ हेल्थ साइंसेस परिसर का एक महत्वपूर्ण संस्थान है जो स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित अनेकानेक निःशुल्क गतिविधियों को संचालित करने हेतु शिविरों का आयोजन करता रहता है । विश्वविद्यालय के कुलसचिव राकेश कुमार मिश्रा ने कहा कि रक्तदान एक महानदान है जिससे लोगों को अप्रत्यक्ष रूप से सहायता प्राप्त होती है हमें रक्तदान करना चाहिये और लोगों को रक्तदान करने के लिये जागरूक और प्रेरित करना चाहिये । संस्थान के निदेशक डा० मुनीश रस्तोगी जी ने बताया शिविर में संस्थान व

विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षकों कर्मचारियों में द्वारा कुल 71 यूनिट रक्तदान किया संस्थान के निदेशक ने अतिथियों, शिक्षकों, अधिकारियों, रक्तदाताओं, छात्र-छात्राओं आदि के प्रति आभार व्यक्त किया और कार्यक्रम का संचालन संस्थान के सहायक आचार्य विश्वदीप मिश्रा एवं यस्वी गुप्ता ने किया । इस अवसर पर संस्थान के सहायक निदेशक डा० हिना वैश्य, धीरज कुमार, नेहा शुक्ला, चन्द्रशेखर कुमार, डॉ. अनामिका दीक्षित, आमिना, डा० आदर्श कुमार, उमेश कुमार मोर्या, डॉ. अल्का कटियार, संतोष कुमार यादव आदि शिक्षकगण उपस्थित रहे ।



## फाइन आर्ट्स के छात्रों की अनोखी पहल



# “बेहतर समाज के लिए गांधी व शास्त्री के विचारों को अपनाने की जरूरत”

**कानपुर।** विवि में महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री की जयंती पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि दधीचि देहदान संस्थान के संस्थापक मनोज सेंगर व उनकी पत्नी माधवी सेंगर रहे जिन्होंने देहदान के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाने का कार्य किया और जनमानस को सेवा के लिए प्रोत्साहित किया।

कार्यक्रम में विशिष्ट के अतिथि रूप में सहवेश के संस्थापक धर्मेन्द्र कुमार को आमंत्रित किया गया था जिन्होंने अपनी संस्था सहवेश के जरिए अनेक प्रकार से समाज सेवा का कार्य किया है। कुलपति प्रो. विनय कुमार पाठक ने महात्मा गांधी के महान योगदान को स्मरण करते हुए कहा कि वह एक युगपुरुष थे हम सभी को गांधी जी एवं शास्त्री जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना है जिससे एक बेहतर समाज का



**सेवा पखवाड़े में अभूतपूर्व कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया।**

निर्माण हो सके। विरिष्ठ आयुर्वेदचार्म्य वंदना पाठक ने कहा कि महात्मा गांधी कहते थे कि जब पुरुष शिक्षित होता है तो उसकी शिक्षा मात्र उसी तक सीमित रहती है परंतु जब एक महिला शिक्षित होती है तो एक समाज एक परिवार शिक्षित होता है। प्रति कुलपति प्रो. सुधीर कुमार अवस्थी ने इस अवसर पर युवाओं को महात्मा गांधी के आदर्शों पर

चलने की प्रेरणा दी। विश्वविद्यालय के छात्र छात्राओं ने वैष्णव जन तो तेने कहिये, जे पीर परायी जाणे रे एवं रघुपति राघव राजा राम जैसे बापू के प्रिय भजनों का गायन किया। इस अवसर पर सेवा पखवाड़े में अभूतपूर्व कार्य करने वालों को सम्मानित किया गया। खादी के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए कुलपति प्रो. पाठक ने खादी के संरक्षण और

सम्मान के प्रति शपथ दिलवाई वहीं दूसरी ओर खादी आश्रम के संस्थापक पंकज पांडे जी ने खादी भेंट कर अतिथियों का सम्मान किया। कार्यक्रम की समाप्ति पर रजिस्ट्रार राकेश मिश्रा ने धन्यवाद ज्ञापन दिया। डॉ. अंकित त्रिवेदी, मयूरी सिंह, प्रशांत सिंह आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन छात्रा समृद्धि तिवारी द्वारा किया गया।।



## छात्रों की कलम से ...

### शिक्षा के बदलते कदम

भारत शुरू से ज्ञान एवं शिक्षा केंद्र रहा है। प्राचीन काल में तीर्थ और तक्षशिला जैसे विश्वविद्यालय में केवल अध्ययन स्थल ही नहीं थे, बल्कि विचार-विमर्श और अनुसंधान के महान केंद्र थे। यह हमारी उस विरासत का प्रमाण है कि शिक्षा सदैव भारतीय संस्कृति की आत्मा रही है। आज के दौर में भारत फिर से शिक्षा को नई ऊर्जा और नई दिशा देने का प्रयास कर रहा है, क्योंकि शिक्षा किसी भी राष्ट्र के विकास का मूल आधार है। सबसे बड़ा प्रश्न यह है कि वर्तमान शिक्षा प्रणाली में छात्रों को वास्तव में समझदार, जिम्मेदार निर्णय लेने योग्य बनाना क्या है? क्या शिक्षा का प्रभाव समाज में सकारात्मक रूप से दिखाई दे रहा है? और क्या गांव-गांव में शिक्षा का स्तर पहले से बेहतर हो रहा है? इन दस्तावेजों का उत्तर पंजीकरण के लिए जरूरी है कि शिक्षा केवल मानक तक सीमित न रहे, बल्कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति इसी सोच को आगे बढ़ाने वाला कदम है। इस नीति का लक्ष्य है - शिक्षा का आधुनिकीकरण, कौशल विकास व प्रारंभिक स्तर से अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाना। साथ ही इसमें नई तकनीक और व्यावसायिक ज्ञान के साथ छात्र वैश्विक स्तर पर पहुंचने के लिए तैयारी कर सकते हैं लेकिन शिक्षा केवल डिग्री प्राप्त करने तक सीमित नहीं थी। असली शक्ति तब है जब यह छात्रों में शैक्षणिक, वैज्ञानिक और वैज्ञानिक दृष्टिकोण का विकास करे। शिक्षा को हर क्षेत्र के जीवन का हिस्सा बनाना होगा।

**-रौशीन हसन, बीसीए (द्वितीय वर्ष)**

### यह शादी है, व्यापार नहीं!

बन्द करो ये गाजे बाजे,  
झंडी कागज के दरवाजे  
लड़कों को विवाह स्वीकार  
नहीं,  
यह शादी है व्यापार नहीं  
पहले शादी की बात चली,  
फिर वर पक्ष की घात चली  
बापू का सिर था चरणों में,  
और आँखों से बरसात चली  
हर ख्वाब बिका तासीर बिकी,  
हर दुआ बिकी तकदीर बिकी  
सब बिके खिलौने बच्चों के,  
और माँ की भी जंजीर बिकी  
किसलिए- माथे की बिंदी के  
लिये,  
घर वालों की तकदीर बिकी!  
वर पक्ष मांग रहे थे सौ हजार,

कुछ उसी समय कुछ उधार  
कुछ चांदी दो कुछ सोना दो,  
कुछ कपड़े दो बिछौना दो  
पहले तुम इतना कर आओ,  
फिर जियो चाहें मर जाओ  
वर पक्ष मन में फूल गये,  
लेकिन वो ये क्यों भूल गये  
ये आज बदलता भारत है,  
सौदे का बाज़ार नहीं  
यह शादी है व्यापार नहीं,  
यह शादी है व्यापार नहीं।  
लड़का होना वरदान बना,  
लड़की होना अभिशाप बना  
लड़के को सभी खिलौने दो,  
लड़की रोती है रोने दो  
अब छोड़ के यह दीवाना पन,  
तुम युग का परिवर्तन देखो

तुम उजड़ा गुलशन देख चुके,  
अब हरा-भरा गुलशन देखो  
हिम्मत हो कदम बढ़ाने की,  
तो साथ चलो हम लोगों के  
कह देंगे सब अभिभावक से,  
शादी दहेज की करो नहीं  
शादी दहेज की करो नहीं  
शादी दहेज की करो नहीं  
यह कर्तव्य है उपकार नहीं,  
यह कर्तव्य है उपकार नहीं  
वरना विवाह स्वीकार नहीं  
वरना विवाह स्वीकार नहीं  
यह शादी है व्यापार नहीं,  
यह शादी है व्यापार नहीं।

**- प्रिया शुक्ला  
(एमएजेमसी, द्वितीय वर्ष)**

### कागज का पन्ना ....

मैं उठी और घर की दहलीज़ से बाहर निकल पड़ी, एक बेहद खूबसूरत दिन जिसे मैं और खूबसूरत बनाने जा रही थी। मुझे तीन लोगों से मिलना था.. मैंने वो कागज का पन्ना उठाया और मोड़ कर अपने पर्स में रख लिया। बात ही कुछ ऐसी थी उसमे... दोस्तों कानपुर शहर में अक्टूबर का महीना बड़ा ही खूबसूरत गुजरता है, ऐसा मैं इसलिए नहीं कह रही कि अक्टूबर में मेरा बर्थडे होता है। दरअसल अक्टूबर की अदा ही कुछ निराली है। मौसम हलकी हलकी ठंड लपेटे फिरता है। पेड़ों से पत्ते टूट कर हवा में तैरते चले आते हैं.. पूरे 31 अक्टूबर के महीने देख चुकी हूँ मैं कानपुर शहर में यहीं जन्म हुआ यही बड़ी हुई, बड़े बड़े सपने देखे, यही पहली बार प्यार भी हुआ, और यहीं दिल टूटा, यही स्विमिंग पूल में तैरना भी सीखा। स्कूल में होने वाली रेस तो मैं जीत गई लेकिन जिंदगी की रेस में मैं हारने वाली थी, मैं रिक्शे से अपने स्कूल के सामने से गुजर रही थी वहीं जहाँ श्रीवास्तव

मैम ने पहली बार पहाड़ा ना याद होने पर मुझे छड़ी से मारा था, बचपन कि बातों में खो कर पता ही ना चला कि कब मैं श्रीवास्तव मैम के घर पहुंच गई दरवाजे पर लगी बेल बजाई, तकरीबन 16 साल का एक लड़का दरवाजे पर आया मैंने पूछा श्रीवास्तव मैम हैं क्या? उसने सर हिलाया हाँ, अंदर आइये। इतना कह कर वो मुझे मैम के कमरे तक लेकर गया, वो मुझे देखकर शायद कुछ याद करने की कोशिश कर रही थी.. मैंने कहा मैम क्या अपने मुझे पहचाना नहीं.. पीछे से आवाज आई.. दादी को आजकल कुछ याद नहीं रहता है... सुनकर बहुत अफ़सोस हुआ.. मैंने उन्हें याद दिलाने कि कोशिश की लेकिन उन्हें याद ना आया.. मैंने फिर भी उन्हें शुक्रिया कहा और अपनी बचपन कि गलतियों के लिए माफ़ी भी मांगी.. और अपने उस कागज के पन्ने को लेकर चल दी वहाँ से अपने अगले पड़ावो के लिए। बाहर आँटो लिया और अपने पर्स से उस कागज के पन्ने को निकाला। आँटोवाले

ने गाना बजाया हुआ था, ज़िन्दगी प्यार का गीत है इसे हर दिल को गाना पड़ेगा। आँख भर आई मैंने उस कागज के पन्ने को वापस अपने पर्स में रख लिया और आँटोवाले से कहा चाचा यहीं रोक लेना आँटो से उतरी तो मैं अपने अगले पड़ाव के सामने खड़ी थी। कब्रिस्तान - जी हाँ दोस्तों यही तकरीबन तीन साल पहले मेरी माँ का इंतिकाल हो गया था आज मुझे उनका भी शुक्रिया अदा करना है, मेरे कदम जैसे - जैसे कब्रिस्तान कि ओर बढ़ते जाते माँ की यादों से आँखों के आंसू रुकने को तैयार ही नहीं हो रहे थे, मैं उनकी कब्र तक पहुंचते गई.. पर अफ़सोस माँ आज मेरी बाते सुन तो सकती हैं, लेकिन वो मुझे गले से नहीं लगा सकती। मैंने बचपन की उन गलतियों के लिए माफ़ी मांगी और शुक्रिया भी कहा मन तो नहीं था यहाँ से जाने का लेकिन जाना भी जरूरी था एक और शख्स से भी मिलना था मुझे मैंने अपना पर्स उठाया और वहाँ से चल दी अपने अगले पड़ाव की

ओर अपनी बेस्ट फ्रेंड प्रिया के घर पहुंच कर मैंने उससे बोला प्रिया आज तेरे हाथो का राजमा चावल खाने का मन है काफ़ी बाते हुई राजमा चावल खाया फिर उसे थैंक्स कहा और फिर मिलेंगे कहकर उसके घर से बाहर निकल चली अब मैं आजाद हो चुकी थी इस दुनिया के रिश्ते से मेरे दिल को सुकून था, मुझे कोई परवाह नहीं थी, मुझपर किसी भी रिश्ते का कर्ज नहीं था, घर पहुंचते हुए शाम हो चुकी थी लेकिन मुझे अंधेरा से इश्क हो चुका था, अभी कल ही की तो बात है। डॉ. ने मुझे ये कागज का पन्ना थमाया और मेरी सारी ख्वाहिश खत्म हो गई, ये मेरी रिपोर्ट है, जिसमे लिखा है कि मुझे एक लाइलाज बीमारी है, जो मुझे जिन्दा रहने के लिए सिर्फ कुछ महीने देना चाहती है, मुझे नहीं चाहिए ये अहसान भरी जिंदगी, ये लगा लिया है फंदा मैंने, मैं जानती हूँ कि ये गलत है लेकिन ज़िन्दगी के अहसानो से आजाद होना है मुझे...

**-इरम (एमएजेमसी, द्वितीय वर्ष)**





छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग के छात्रों द्वारा कौशल क्षमता वर्धन हेतु प्रकाशित सप्ताहिक ई-समाचार पत्र कैम्पस न्यूज। संरक्षक- प्रोफेसर विनय कुमार पाठक (कुलपति, सीएसजेएमयू), मार्गदर्शक- डॉ. विशाल शर्मा (विभागाध्यक्ष, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), परामर्शदाता- डॉ. हरिओम कुमार (सहायक आचार्य, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), सागर कनौजिया (मीडिया इंस्ट्रक्टर, पत्रकारिता एवं जनसंचार विभाग), छात्र संपादक- प्रंजल सचान (एमएजेएमसी), पृष्ठ सज्जाकार- हरि ओम तिवारी (एमएजेएमसी) अधिक जानकारी के लिए हमारे सोशल मीडिया अकाउंट पर सम्पर्क करें।